

प्रधान

गांधीजी
आंपर शावित
उत्तराखण्ड शासन।

प्रधान

संघीय,
आंध्रांगिक विकास विभाग,
उत्तराखण्ड शासन।

प्रधान

देहरादून: दिनांक ८^२ फरवरी, २००७

उचित: औद्योगिक आस्थान स्थापित किये जाने हेतु सम्पूर्णनन्द शिविर सितारगंज नगर मूमि औद्योगिक विकास विभाग को हस्तान्तरित किये जाने के सम्बंध में।

प्रधान

प्रयन्त्र निदेशक, सिड्कुल, देहरादून के पत्र संख्या-5516 एम०डी०/सिड्कुल-सितारगंज/2007. दिनांक ९ फरवरी, २००७ के संदर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश दिया है कि श्री राज्यपाल महोदय, उत्तराखण्ड सम्पूर्णनन्द शिविर सितारगंज, अमृमंथनगर की 186.67 एकड़ भूमि (जिसका विवरण निम्नानुसार है) औद्योगिक आस्थान के प्रयोजन हेतु औद्योगिक विकास विभाग को जिम्मा शर्तों के अन्तर्गत लिये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

१. उद्दल भूमि संकिल रेट पर भुगतान के शर्त पर हस्तान्तरित नहीं जाएगी।
२. जिरा परियोजना के लिये प्रश्नगत भूमि हस्तान्तरित की जा रही है तो राज्य सरकार द्वारा एक अनुमोदित परियोजना हो और उसके लिये आवश्यक प्राविधान किया जा दुका हो।
३. गृहमें पर कोई धार्मिक अथवा ऐतिहासिक महत्व की इमारत न हो।
४. हस्तान्तरित भूमि यदि प्रत्यावित कार्य से भिन्न प्रयोजन के लिये उपयोग की जाय तो उसके लिये मूल विभाग से पुनः अनुमोदन प्राप्त करना होगा। जेव शिविर को जाने वाली राज्य सरकार ६० मीटर दौड़ा किया जायेगा, जिसका धरणाधिकार राज्य सरकार के पारा बना रहेगा एवं यह आगे रखपाता रहें कंद्रेय कारागार, शिविर वासियों, कार्मिकों ये लिए रथारी रुग्न उपलब्ध रहेगा।
५. औद्योगिक विकास विभाग द्वारा जेल मैनुवल के प्राविधानों तथा इस नियम, प्रतिपादित सिद्धान्तों के अनुरूप शिविरवासियों (यंतीगण) के लिए तथा कारागार सितारगंज) में किया जाएगा, जब इस प्रकार आवश्यक अवस्थायुक्त निर्माण कार्य पूर्ण हो जाएंगे, तभी उन्हें क्षात्रों को शिविर को रथानान्तरित किया जायेगा। तब तक इन परिसरों में केसी प्रकार की छलछाड़ औद्योगिक विकास विभाग द्वारा नहीं की जायेगी। इस तरीके

२८/१/८

सारा समर्त व्यय भार औद्योगिक विनाश विभाग द्वारा प्राप्ति की।

- भविष्य में इन हरतांतरित भूखण्डों पर रिथत वृक्षों से जो भी नई औद्योगिक विकास विभाग को होगी यह सामर्त धनराशि अज्ञकोष ॥ नाम दी जाएगी।
६. औद्योगिक आस्थान हेतु हस्तान्तरित ठोके घाती गगि का निम्नानुसार है:-

घाम नंगा नाम	क्रमांक	खरारा संख्या	एसिया (हिल्टिंगर रु.)
खरारा	1.	1	2,118
	2.	3	8,366
	3.	4	0.054
	4.	5	1,853
	5.	0	0.762
	6.	7	1,122
	7.	8	2,659
	8.	9	0.177
	9.	10	0.616
	10.	11	0.079
	11.	12	0.253
	12.	13	0.051
	13.	14	0.366
	14.	15	1,113
	15.	16	1,355
	16.	17	3,058
	17.	18	0.011
	18.	19	0.051
	19.	20	2,059
	20.	21	0.126
	21.	22	0.243
	22.	23	0.635
	23.	24	0.158
	24.	25	2,599
	25.	26	1,809
	26.	27	2,498
	27.	28	8,233
	28.	29	0.114
	29.	30	8,978
	30.	34	0.237
	31.	35	0.319
कुल			52,974
			(130.9 लौंगर)

संकेत का नाम	क्रमांक	खसत संख्या	संस्थापना (हवेटर में)
मैल्वानपुरी	1.	145	1.290
	2.	146	3.75
	3.	147	7.557
	4.	148	0.031
	5.	149	2.680
	6.	152	1.100
	7.	72	6.201
	कुल		22.569 (55.76 एकड़)
	सम्पूर्ण योग		186.67 एकड़

६. लृपया उपचेकतानुसार खसत कार्यवाही आयुक्त कुगारू मण्डल ने रार्गदर्हन में जिलाधिकारी, उच्चमरिंहनगर एवं दोरेट अधीक्षक, राम्पूर्णानन्द शिक्षिकर, रितारगंज, उच्चमरिंहनगर द्वारा सम्पन्न की जारी।

गढ़दोग।

(गास्करान्ज्ञ)

आपर शावित।

खसत प्रृष्ठ | दुनाक उपरोक्त।

प्रृष्ठ पर्याप्ति निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रयुक्त हैं-

१. आयुक्त, कुनार्क मण्डल, नैनीताल;
२. जिलाधिकारी, उच्चमरिंहनगर।
३. नागरिकीकरण कारगार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
४. द्रिनथ निदेशक, सिड्कुल, देहरादून।
५. दोरेट अधीक्षक, सम्पूर्णानन्द शिक्षिकर, रितारगंज, उच्चमरिंहनगर।
६. गर्ड फाइल।

आज्ञा रो.

(भस्करानन्द)

उपर शावित।